[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1400 **L**

Unique Paper Code : 2273102008

Name of the Paper : PRODUCTION RELATIONS AND GLOBALISATION

Name of the Course : **Discipline Specific Elective (DSE – Economics)**

Semester / Scheme : IV/VI/VIII / NEP-UGCF

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer any **four** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. Though Fordism was referred to as a mode of industrial organization it was way beyond just a system of mass production. Explain. The Fordist model appeared to be flawless, yet pressure from the within and external sources caused cracks to appear. Examine the cause of the cracks.

2. Can the giant organisations of the mercantilist period such as the East India Company be regarded as a precursor to the Multinational Corporations? Discuss with an analysis of the evolution of the MNCs. Explain how the multidivisional and multi-country operations of the MNCs were conducive to the necessity of rapid product innovations and as well as increasing the life cycle of the old products.

3. What do you understand by 'buyer driven global value chains'? What explains the different governance structures in global value chains? How are these governance structures expected to evolve over time?

4. Can informal work under capitalism be considered a product of structural dualism and essentially arising as a result of insufficient development? Analyse in the context of transition of capitalist labour in the "global factory" along with a discussion of various forms of informalisation.

5. "What needs challenging is that article of faith itself, the thesis that these free, competitive, global financial markets are the best way of providing cheap capital to all who can most efficiently use it." (Ronald Dore). Discuss with reference to the nature and scale of the financial markets.

6. Discuss the tensions and contradictions of the neoliberal state both in theory and in practice highlighting the most crucial ones.

7. What is meant by the terms "feminization of employment" and "feminization of migration"? Analytically discuss the different facets of these phenomena in the context of globalization.

8. "Democracy and equity are important not only as ends in themselves, but also as means to environmental protection." (JK Boyce). Discuss the statement.

1. हालांकि फोर्डवाद को औद्योगिक संगठन की एक पद्धति के रूप में जाना जाता था, लेकिन यह केवल बड़े पैमाने पर उत्पादन की प्रणाली से कहीं अधिक था। व्याख्या कीजिए। फोर्डवादी मॉडल त्रुटिहीन प्रतीत होता था, फिर भी आंतरिक और बाहरी दबावों के कारण इसमें दरारें दिखाई देने लगीं। इन दरारों के कारणों का विश्लेषण कीजिए।

2. क्या ईस्ट इंडिया कंपनी जैसी व्यापारिक काल की विशाल संस्थाओं को बहुराष्ट्रीय निगमों का अग्रदूत माना जा सकता है? बहुराष्ट्रीय निगमों के विकास का विश्लेषण करते हुए चर्चा कीजिए। व्याख्या कीजिए कि बहुराष्ट्रीय निगमों के बहु-विभागीय और बहु-देशीय संचालन ने तीव्र उत्पाद नवाचारों की आवश्यकता और पुराने उत्पादों के जीवन चक्र को बढ़ाने में कैसे योगदान दिया।

3. 'खरीदार-संचालित वैश्विक मूल्य श्रृंखला' से आपका क्या तात्पर्य है? वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में विभिन्न शासन संरचनाओं की व्याख्या क्या है? समय के साथ इन शासन संरचनाओं के किस प्रकार विकसित होने की उम्मीद है?

4. क्या पूंजीवाद के अंतर्गत अनौपचारिक कार्य को संरचनात्मक द्वैतवाद का उत्पाद और अपर्याप्त विकास का मूल परिणाम माना जा सकता है? "वैश्विक कारखाने" में पूंजीवादी श्रम के संक्रमण के संदर्भ में इसका विश्लेषण कीजिए और अनौपचारिकीकरण के विभिन्न रूपों पर चर्चा कीजिए।

5. "जिस बात को चुनौती देने की आवश्यकता है, वह स्वयं यह विश्वास है कि ये स्वतंत्र, प्रतिस्पर्धी, वैश्विक वित्तीय बाजार उन सभी को सस्ती पूंजी उपलब्ध कराने का सर्वोत्तम तरीका हैं जो इसका सबसे कुशल उपयोग कर सकते हैं।" (रोनाल्ड डोर)। वित्तीय बाजारों की प्रकृति और पैमाने के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

6. नवउदारवादी राज्य के सैद्धांतिक और व्यावहारिक तनावों और विरोधाभासों पर चर्चा कीजिए, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण को उजागर कीजिए।

7. "रोजगार का नारीकरण" और "प्रवासन का नारीकरण" शब्दों का क्या अर्थ है? वैश्वीकरण के संदर्भ में इन घटनाओं के विभिन्न पहलुओं पर विश्लेषणात्मक चर्चा कीजिए।

8. "लोकतंत्र और समानता न केवल अपने आप में एक लक्ष्य के रूप में महत्वपूर्ण हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के साधन के रूप में भी महत्वपूर्ण हैं।" (जे.के. बॉयस)। इस कथन पर चर्चा कीजिए।